कोरोना, राजनीति, पलायन और मीडिया

डॉ. नरेन्द्र अरजरिया, डॉ. मनीषकांत जैन

Scanned with OKEN Scanner

कोरोना, राजनीति, पलायन और मीडिया

M1647

डॉ. नरेन्द्र अरजरिया
डॉ. मनीष कांत जैन

विद्या प्रकाशन
सी, 449, गुजैनी, कानपुर - 22

Scanned with OKEN Scanner

ISBN : 978-93-91335-17-5

पुस्तक	:	कोरोना, राजनीति, पलायन और मीडिया
लेखक	:	डॉ. नरेन्द्र अरजरिया, डॉ. मनीष कांत जैन
प्रकाशक	:	**विद्या प्रकाशन**
		सी-449, गुजैनी, कानपुर-22
		दूरभाष : (0512) 2285003
		मोबाइल : 9415133173
		Email : www.vidyaprakashankanpur@gmail.com
		website : vidyaprakashan.knp.com
संस्करण	:	**प्रथम, 2021**
शब्द-सज्जा	:	रुद्र ग्राफिक्स, कानपुर
मुद्रक	:	श्री पूजा प्रिण्टर्स, नौबस्ता, कानपुर
मूल्य	:	450/- (चार सौ पचास रुपये मात्र)

Corona, Rajniti, Palayan aur Media
by : Dr. Narendra Arjariya, Dr. Manish Kant Jain
Price : Four hundred fifty only.

Scanned with OKEN Scanner

51647

भूमिका

महात्मा गांधी कहते थे बिना मेहनत के धन, बिना आत्मबोध के आनंद, बिना चरित्र के ज्ञान, बिना नैतिकता के व्यापार, बिना मानवता के विज्ञान, बिना समर्पण के धर्म और बिना सिद्धान्तों के राजनीति पाप है।

साल 2020 के आरंभिक महीनों मैं जब भीषण महामारी कोरोना की खबरें अखबारों में आरंभ हुई तभी से इस विभीषिका का आभास होने लगा था। पूरी दुनिया में इसके चलते एक अदृश्य से भय का वातावरण बनने लगा था। दुनिया के सभी देश अपने यहां यात्रियों की आवाजाही को हवाई अड्डों के माध्यम से प्रतिबंधित कर रहे थे।

भारत के हुक्मरान भी शायद इसको लेकर चिंतित थे। लेकिन उनकी चिंता स्थानीय राजनीति को लेकर जितनी थी, उतनी इस महामारी को लेकर नहीं थी। जब हवाई अड्डों पर यातायात प्रतिबंधित किया जाना था उस समय देश की राजनीति के केंद्र में मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार थी। मध्यप्रदेश में उस समय दलबदल का इतिहास रचा जा रहा था, जो बिना हवाई यातायात और देश में लॉकडाउन लगाए बिना संभव नहीं था।

मध्यप्रदेश में जैसे ही कांग्रेस की सरकार गिरी और भाजपा की सरकार बनी, केंद्र की सरकार फिर कोरोना से निपटने के मूड में आई। उसके चलते बिना पूर्व सूचना दिए जो रातों–रात लॉकडाउन लगाया गया उससे लाखों मजदूरों के भविष्य को लेकर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया। भविष्य को लेकर यह भय इतना खतरनाक था कि रातों–रात लाखों मजदूर अपने गांव की तरफ लौटने लगे। जिसको जो साधन मिला उससे वह सड़क पर निकल पड़ा, कुछ लोग टैक्सियों और ट्रकों में भरकर वापस भागे। तो कुछ लोग रेलवे के ट्रैकों पर चलकर अपनी जान गंवाते हुए तो कुछ लोग पैदल ही निकल पड़े।

मानवता की जब यह भीषण त्रासदी सामने आ रही थी तब दुर्भाग्य से हुक्मरान राजनीति में व्यस्त थे और त्रासदी के बारे में एक शब्द भी नहीं बोले। इसके बाद जब देश में कोरोना की दूसरी लहर आई और हजारों लोगों की जान बिना ऑक्सीजन के चली गई तब फिर देश के हुक्मरान गायब हो गए। उनके रोज आने वाले बयान नजर नहीं आए। लेकिन जैसे ही महामारी अपने

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

भूमिका

1. कोरोना, राजनीति, पलायन और मीडिया 07

2. राजनीति–चित्त भी मेरी, पट भी मेरी 26

3. पलायन: मंजिल मिली तो पाँव के छाले नहीं रहे 76

4. मीडिया : जल्दी ठीक, जल्दबाजी नही 131

Scanned with OKEN Scanner

कोरोना, राजनीति, पलायन और मीडिया

डॉ. नरेंद्र अरजरिया इनका जन्म 30 जून 1973 को मध्य प्रदेश के छतरपुर जनपद के गाँव सरसेड में हुआ प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा गाँव में ग्रहण की इसके बाद व नजदीकी कस्बा हरपालपुर के शासकीय बालक इंटर कॉलेज से इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण की इसके बाद अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से वर्ष 1994 में स्नातक की उपाधि ली बी.जे.एम.सी. ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट से वर्ष 1995–96 में किया इसके बाद डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर से वर्ष 1999–2000 में एम.जे.सी. की उपाधि की वर्ष 2015 में एम.ए. (ग्रामीण विकास) महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय से किया। वर्ष 2019 महात्मा गाँधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में पीएच–डी. की उपाधि से राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। **आँचलिक पत्रकारिता का अनुभव** वर्ष 1996 में पत्रकारिता की बैचलर डिग्री करते हुए दैनिक जनसत्ता दिल्ली और दैनिक जागरण नई दिल्ली में एक–एक माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया इसके बाद दैनिक अमर उजाला झाँसी में ब्यूरो चीफ के पद पर छतरपुर में कार्य किया इसी बीच वर्ष 2000 में सी वोटर के लिए उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड और पूर्वांचल में चुनावी सर्वे का दायित्व का निर्वहन किया इसके बाद दैनिक शुभ भारत छतरपुर में सब एडिटर के पद पर काम करने का मौका मिला वर्ष 2003 में सहारा समय मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के न्यूज़ चैनल में टीकमगढ़ स्ट्रिंगर के तौर पर आज तक कार्यरत हैं। **चर्चित प्रोग्राम** टेलीविजन की पत्रकारिता में बुंदेलखंड और बंदूक दुल्हन के दलाल, पान का मान, घास की रोटी, इच्छाधारी नागिन, सरहद में बैठे राम, सहारा समय न्यूज़ चैनल के चर्चित प्रोग्राम रहे हैं जिन की प्रस्तुति दी है।

डॉ. मनीषकांत जैन का जन्म मध्यप्रदेश के दमोह जिला में हुआ, और उच्च शिक्षा भोपाल में हुयी। आपने पीएच.डी जनसंचार और पत्रकारिता विषय में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विवि, चित्रकूट जिला सतना से प्राप्त की। इसके पहले प्रसारण पत्रकारिता में मास्टर डिग्री माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय जनसंचार और पत्रकारिता विवि से प्राप्त की। डॉ. सर हरीसिंह गौर विवि से स्नातक डिग्री प्राप्त करने के साथ ही एस.बी. शासकीय पालीटेकनिक कालेज से एप्लाईड वीडियोग्राफी में डिप्लोमा प्राप्त किया।

अपने कैरियर की शुरूआत सहारा समय (म.प्र./छ.ग.) न्यूज चौनल से की। इसके बाद बंसल न्यूज चैनल, आईबीसी–24 न्यूज चैनल, भास्कर न्यूज चौनल के साथ आईएनएच न्यूज चैनलों में विभिन्न पदों पर कार्य किया।

वर्तमान में एलएनसीटी विवि के स्कूल ऑफ जर्नेजिल्म एंड मॉस कम्यूनिकेशन में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

विद्या प्रकाशन
'सी' 449 गुजैनी,
कानपुर-208 022
E-mail : vidyaprakashan.knp@gmail.com
Website : www.vidyaprakashankanpur.com

ISBN 978-93-91335 17 5
9 789391 335175 >
₹450/-